समस्त पत्र व्यवहार कुलसचिव, लखनऊ विश्वविद्यालय को सम्बोधित करें, अन्य किसी अधिकारी के नाम से नहीं

संख्या :–...../शोध/2018

दिनांक–.....

प्रेषक,

कुलसचिव,
लखनऊ विश्वविद्यालय,
लखनऊ।

सेवा में,

समस्त विभागाध्यक्ष/संकायाध्यक्ष
लखनऊ विश्वविद्यालय
लखनऊ।

महोदय/महोदया,

मा0 कुलपति महोदय के आदेशानुसार संकाय/ विभाग में शोध छात्र/छात्राओं के शोध प्रस्तुतीकरण/अतिरिक्त समय वृद्धि/शोध पुनः पंजीकरण के प्रेषित किये जाने वाले आवेदन पत्रों में एकरुपता लाने हेतु गठित समिति द्वारा उपलब्ध कराये गए "आवेदन पत्र प्रोफार्मा" को मा0 कुलपति महोदय द्वारा अनुमोदित कर दिया गया है।

उक्त "आवेदन पत्र प्रोफार्मा" की प्रति संलग्न कर इस निवेदन के साथ प्रेषित है कि कृपया संकाय/ विभाग के शोध छात्र/छात्राओं (Reaserch Scholar) के शोध प्रस्तुतीकरण/अतिरिक्त समय वृद्धि/शोध पुनः पंजीकरण के आवेदन अनिवार्य रुप से संलग्न प्रेषित आवेदन पत्र प्रोफार्मा (Application Proforma) पर ही अग्रसारित करने/भेजने की कृपा करें।

भवदीय

(एस0 के0 शुक्ल)
कुलसचिव

संख्या - PhD/26848-907 दिनांक- 24/12/18.

प्रतिलिपि:–

1. प्रो0 अनिल मिश्रा को इस आशय से प्रेषित कि उक्त आवेदन पत्र को ल0वि0वि0 की वेबसाइट पर अपलोड करने का कष्ट करें।

कुलसचिव
24.12.2018

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ
लखनऊ–226007

संदर्भ संख्या.....
दिनांक.....

आवेदन पत्र

शोध प्रस्तुतीकरण/अतिरिक्त समय वृद्धि/शोध पुनः पंजीकरण हेतु आवेदन पत्र का प्रारूप

01. विभाग का नामः–.....
02. संकाय का नामः–.....
03. शोधार्थी का नामः–.....
04. पिता का नामः–.....
05. माता का नामः–.....
06. पी–एच0डी0 प्रवेश शुल्क जमा करने की प्रथम रसीद का दिनांकः–.....
07. इन्रोलमेन्ट नं0 (पंजीकरण) संख्याः–.....
08. कोर्स वर्क उत्तीर्ण की तिथि–.....
09. स्थायी पताः–.....
10. अस्थायी पताः–.....
11. मोबाइल नम्बर–.....ई–मेल पताः– .....
12. पर्यवेक्षक का नामः–.....
13. शीर्षक का नाम हिन्दी में:–.....अंग्रेजी में .....
14. विभागीय शोध समिति शीर्षक अनुमोदन दिनांकः–.....
15.समयावधि में शोध ग्रन्थ जमा न होने के कारण (साक्ष्य सहित)–.....
16. शोधार्थी द्वारा मांगी गयी अतिरिक्त समयावधिः–.....
17. यदि सेवायोजित है, तो उसका विवरण दें।.....
18. यदि किसी अन्य विश्वविद्यालय के किसी पाठ्यक्रम में पंजीकृत है, तो उसका विवरण दें: .....
19. शोधार्थी द्वारा किये गये शोधकार्य का संक्षिप्त विवरण अधिकतम 1000 (एक हजार) शब्दों में * (पृथक से विवरण संलग्न करें)।
20.आपके विरूद्ध किसी न्यायालय अथवा विश्वविद्यालय द्वारा कोई दण्ड/अभियोजन/अनुशासनात्मक कार्यवाही तो संस्थित नहीं की गई है, /आपको किसी सक्षम न्यायालय द्वारा दोष सिद्ध तो नहीं किया गया है? हां/नहीं यदि हाँ तो उसका पूर्ण विवरण दें:–.....

शोधार्थी का हस्ताक्षर दिनांक सहित

घोषणा पत्र

मैं श्री/सुश्री..... घोषणा करता/करती हूँ कि मेरे द्वारा दी गई उपरोक्त सभी सूचनाएं एवं जानकारियाँ सत्य है। यदि भविष्य में कोई त्रुटि पायी जाती है तो व्यक्तिगत रूप से इसका पूर्ण उत्तरदायित्व मेरा होगा।

स्थान.....
दिनांक .....

शोधार्थी का पूरा नाम व हस्ताक्षर

21. शोध पर्यवेक्षक की स्पष्ट संस्तुतिः–.....
22. विभागाध्यक्ष की संस्तुतिः–.....
23.संकायाध्यक्ष की संस्तुतिः–.....
24.कुलानुशासक की स्पष्ट संस्तुति कि शोधार्थी के विरूद्ध लखनऊ विश्वविद्यालय स्तर से कोई अनुशासनात्मक कार्यवाही नहीं की गयी है:–.....

शोध पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर	विभागाध्यक्ष के हस्ताक्षर	संकायाध्यक्ष के हस्ताक्षर	कुलानुशासक के हस्ताक्षर